गन्ना कृषक माह जुलाई में क्या करें!

1– यदि जून के अन्तिम सप्ताह में चोटीबेधक के नियंत्रण हेतु कार्बोफ्यूरान 3जी0 का 30 कि0ग्रा0/हे0 की दर से प्रयोग नहींकिया गया है तो इस माह प्रथम सप्ताह में नमी होने की दशा में प्रयोग करें।

2– विभिन्न बेधक कीटों के जैविक नियंत्रण हेतु ट्राइकोकार्ड्स (ट्राइकोग्रामा स्पेसीज के अण्ड परजीवी) को गन्ना फसल में बॉधें। इसके 50,000 प्रौढ़/हे0 15 दिन के अन्तराल से बॉधें।

3– पायरिला कीट के जैविक नियंत्रण हेतु इपीरिकैनिया परजीवी के ककून अथवा अंड समूह जो खेतों में ही उपलब्ध होते हैं, एकत्रित करके खेत में बराबर दूरी पर समान रूप से फैला दें। ककून गोलाकार सफेद रंग के एवं अंड समूह चटाईनुमा काले रंग के होते हैं, जो दोनों पत्तियों के पृष्ठ भाग पर पाये जाते हैं।

4– गन्ने को गिरने से बचाने के लिये विशेषकर बलुई/बलुई दोमट भूमि में जुलाई के मध्य हल्की मिट्टी चढ़ाना चाहिये। मिट्टी चढ़ाने के बाद यदि वर्षा नहीं होती है तो सिंचाई करें ताकि जड़ों का समुचित विकास हो सके।

5– गन्ने की बढ़वार को ध्यान में रखते हुये अगस्त में मध्य तक भूमि सतह से 1.5 मी0 की ऊॅचाई पर पहली बॅधाई करें। बॅधाई करते समय वृद्धि क्षेत्र को खुला रखना चाहिये।

6– वृद्धिकाल (जुलाई–सितम्बर) में 15–20 दिन तक वर्षा न होने की दशा में एक हल्की सिंचाई करें अन्यथा उपज में कमी आयेगी।

थान पे मिट्टी तीन बॅधाई । देखो गन्ना ले अॅगड़ाई ।।